वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 189 | शुक्रवार 4 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बाड़ेबंदी में जयपुर ग्रेटर भाजपा पार्षद, तोड़फोड़ का डर

शहर अध्यक्ष बोले-कांग्रेस हेरिटेज बोर्ड में समितियां नहीं बना पाई

जयपुर. कासं। जयपुर ग्रेटर नगर निगम में मेयर पद के चुनाव के लिए भाजपा ने पार्षदों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय से दो बसों में भरकर पार्षदों को चौमूं पैलेस होटल बाड़ेबंदी में भेजा गया है। इसे पार्टी ने हर बार की तरह प्रशिक्षण शिविर का नाम दिया है। बसों में भरकर पार्षदों को रवाना करने के बाद जयपुर शहर बीजेपी अध्यक्ष राघव शर्मा ने कहा-जयपुर ग्रेटर में मेयर कौन बनेगा? यह हमारा शीर्ष नेतृत्व और पार्षद तय करेंगे। सबकी रायशुमारी होगी। अब बीजेपी पार्षदों से चर्चा करके जिस नेता के नाम पर आम राय बनेगी, उसे मेयर बनाया जाएगा। इसीलिए प्रशिक्षण शिविर हो रहा है। षड़यंत्र करके कांग्रेस सरकार ने हमारे बोर्ड को अस्थिर किया। अभी शादी के सीजन में चुनाव का टाइम टेबल घोषित कर दिया। लेकिन फिर भी हम निश्चित तौर पर इसका फायदा उठाएंगे। बीजेपी पार्षदों दल में कांग्रेस की ओर से तोड़फोड़ के डर के सवाल पर राघव शर्मा बोले- जो पार्टी अपने हेरिटेज बोर्ड की समितियां नहीं बना पाई। जिसमें खुद एकजुट होने माद्दा नहीं है। वो बीजेपी के पार्षदों को क्या तोड़ पाएगी लेकिन निश्चित रूप से प्रशिक्षण शिविर के बहाने बीजेपी परिवार में सब पार्षद एक साथ रहेंगे। उनमें बातचीत होगी, इससे भ्रांतियां दूर होती हैं और परिवार का वातावरण बनता है। इसलिए हम इस वक्त का सही उपयोग कर रहे हैं। यह बाड़ाबंदी नहीं प्रशिक्षण शिविर और पार्षदों में परिवार की भावना जगाने की कोशिश है।

आईपीएस उमेश मिश्रा बने राजस्थान के 35वें डीजीपी

कहा- पीड़ित को थानों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे

जयपुर. कासं

1989 बैंक के आईपीएस उमेश मिश्रा ने राजस्थान पुलिस के मुखिया का चार्ज लिया। इस दौरान उमेश मिश्रा ने बताया कि वह राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताओं पर और अधिक काम करने वाले हैं। गाइडिंग प्रिंसीपल वैसे ही रहने वाले हैं। कमजोर लोगों के खिलाफ जो घटनाएं होती है अपराध होती है उन्हें रोकने पर काम किया जाएगा। संगठित अपराध और अपराधियों पर नकेल सका जाएगा। राजस्थान पुलिस के लिए एक बड़ा चैलेंज आर्थिक अपराध हैं। उस पर काम करने की और अधिक जरूरत हैं। भरतपुर के कामां में ऐसे अपराधी अधिक हैं। ऐसे अपराधियों को टाइट करने की जरूरत हैं। थानों में पीड़ित के साथ न्याय होना चाहिए। उनकी परेशानी को सक्षम स्तर पर सुना जाना चाहिए। पीड़ितों की शिकायतों पर प्रोमट एक्शन लिया जाना चाहिए। परिवादी को बहुत ज्यादा थानों के चक्कर नहीं लगाने चाहिए। इन्वेस्टिगेशन फेयर होनी चाहिए इस के लिए क्या किया जाए इस पर पुलिस मुख्यालय देखेगा। क्यों की मेरा मानना है कि पुलिस स्टेशन सुधर गए तो पूरे स्टेट का पुलिसिंग सुधर

जाएगा। क्यों की जो कोर पुलिसिंग है वह पुलिस स्टेशन में हैं। जांच में कैसे पारदर्शिता लाए जाए इस पर काम होगा। जांच के बारे में परिवादी को मिलनी चाहिए।

महिला अत्याचार पर पूर्व डीजीपी ने प्रभावी मॉनिटरिंग की,आगे भी करेंगे

महिला अत्याचार पर राजस्थान पुलिस ने अच्छा काम किया हैं। आगे भी अच्छा काम पुलिस करेगी। तफतीश का समय काफी कम किया गया हैं। डिस्पोजल रेट बहुत अच्छा हुआ हैं। तकनीकी कारणों से वह दिखाई नहीं दे रहा हैं। महिला अत्याचार पर पूर्व में भी काम किया गया हैं और आगे भी किया जाएगा।

हाईकोर्ट से सौम्या गुर्जर को राहत नहीं

मामले पर सुनवाई 7 नवंबर तक टली; उपचुनाव पर रोक लगाने के लिए लगाई थी याचिका

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की पूर्व मेयर सौम्या गुर्जर को आज हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। पद से बर्खास्त करने के आदेश और उपचुनाव पर रोक लगाने के संबंध में जो याचिका सौम्या ने लगाई थी उस पर सुनवाई अब 7 नवंबर तक के लिए टल गई। सूत्रों के मुताबिक जस्टिस महेन्द्र गोयल की कोर्ट में हुई सुनवाई में सौम्या की तरफ से उनके अधिवक्ता ने उपचुनाव पर रोक लगाने, पद से बर्खास्त करने के ऑर्डर पर रोक लगाने की बात कही। लेकिन न्यायाधीश ने इस मामले पर स्टे देने से मना करते हुए मामले की अगली सुनवाई 7 नवंबर को करने के लिए कहा। वहीं सौम्या की तरफ से तीन पार्षदों के वार्डों में चुनाव न लड़ने के आदेशों का भी हवाला दिया गया, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह अंतरिम आदेश है, जिसे आधार नहीं बनाया जा सकता। इसलिए कोर्ट ने मेयर के वार्ड में उपचुनाव पर रोक लगाने पर भी इनकार कर दिया। आपको बता दें कि राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ अभद्रता करने के मामले में पद से बर्खास्त किया है। पिछले महीने सितम्बर में सरकार ने सौम्या गुर्जर की बर्खास्तगी के आदेश जारी किए थे।

पायलट के बयान से फिर बढ़ी सियासी गर्मी

राजस्थान में दोनों खेमों के बयानों से लगातार बन और बिगड़ रहे समीकरण

जयपुर. कासं। आमतौर पर विवादित बयानों से बचने वाले सचिन पायलट ने बुधवार को बयान देकर राजनीतिक बम फोड़ दिया। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब राजस्थान में सियासी संकट चरम पर है। 25 सितम्बर को राजस्थान में हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद से 36 दिन बाद पहली बार पायलट ने सीधे तौर पर उस घटनाक्रम को लेकर कुछ बोला है। वहीं सीएम अशोक गहलोत पर भी पहली बार उन्होंने सीधा अटैक किया है। पायलट के बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में इसके मायने तलाशे जा रहे हैं। कुछ इसे पायलट का अशोक गहलोत गुट को कटघरे में खड़ा करने और हाईकमान को 25 सितम्बर के घटनाक्रम पर प्रेशर पॉलिटिक्स के रूप में देख रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का यह भी मानना है कि हाईकमान के इशारे पर या संरक्षण में पायलट ने यह बयान दिया है। इस बयान को पायलट को राजस्थान में मिलने वाली नई भूमिका के तौर पर देखा जा रहा है। बयानों के पीछे वास्तविकता जो भी हो मगर इन बयानों से प्रदेश में लगातार राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बना रहा है। राजस्थान में सियासी पारा एक बार फिर तब से चढ़ने लगा जब अशोक गहलोत का नाम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए सामने आया। गहलोत का नाम सामने आने के बाद से ही राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर सियासी चर्चाएं शुरू हो गई। हर रोज नए-नए बयानों से राजस्थान में सियासी पारा चढ़ता-उतरता रहा। इस पूरे घटनाक्रम में नेताओं के बयानों ने इस पारे को चढ़ाने-उतारने में बड़ा रोल अदा किया। जानते हैं कैसे नेताओं के बयान राजस्थान में किस तरह राजनीतिक उथल-पुथल मचाते रहे। राजनीतिक जानकारों और पायलट के करीबी लोगों का कहना है कि सचिन पायलट ने यह बयान उन आरोपों के जवाब में दिया है जो उनपर 2020 में लगाए जाते थे।

आचार्य श्री विद्यासागर जी के दिक्षा दिवस पर भव्य अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता विद्या नृत्यांजली का आयोजन होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सन्त शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के आचार्य पदारोहण दिवस 22 नवम्बर 2022 के पावन उपलक्ष्य में गुरुदेव निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज, मुनि श्री 108 पूज्य सागर जी महाराज, ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से **"श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज, सूरत"** द्वारा आचार्य भगवन के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस को सम्पूर्ण विश्व मे हर्षोल्लास के साथ मनाने व समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता "विद्या नृत्यांजली का आयोजन किया जा रहा है। समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया,जयपुर ने बताया कि युवा कलाकारों से प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जा रहीं हैं। **प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु आवश्यक जानकारी निम्न प्रकार है:-** प्रतियोगिता में पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 5 नवम्बर है जो कि ऑनलाइन की जाएगी,निर्धारित तिथि के बाद पंजीकरण स्वीकार नहीं किये जायेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 31,000 रुपये,तृतीय पुरस्कार 21,000 रुपये तथा 47 सांत्वना पुरस्कार 21,00 रुपये व सभी विजेताओ को आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन तीन राउण्ड में किया जाएगा।प्रतियोगिता में 15 वर्ष से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवक, युवती, महिला,पुरुष भाग ले सकते हैं एवं प्रतियोगिता में सोलो(एकल नृत्य) प्रस्तुति ही मान्य होगी।सभी प्रतिभागियों को अपना आधार कार्ड संलग्न करना आवश्यक होगा।प्रतियोगिता का प्रथम क्वाटर राउण्ड 15 नवम्बर,द्वितीय सेमिफाइनल राउण्ड 22 नवम्बर को ऑनलाइन किया जाएगा तथा तृतीय फाइनल राउण्ड 11 दिसम्बर को सूरत, गुजरात में ऑफलाइन किया जाएगा जिसमे टॉप 10 प्रतिभागियों को कार्यक्रम से एक दिन पूर्व अपने एक अभिभावक के साथ (माता, पिता, पति) बुलाया जाएगा तथा कार्यक्रम का जिनवाणी चैनल पर लाइव प्रसारण किया जाएगा ।जिन टॉप 10 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा उन्हें प्रस्तुति हेतु सूरत, गुजरात बुलाने पर आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था व उनके आने-जाने का रेल्वे टिकिट आयोजकों द्वारा दिया जाएगा।सभी प्रतिभागियों को अपनी प्रस्तुति करने हेतु गाने आयोजकों द्वारा ही दिए जाएंगे जिस पर प्रतिभागियों को 2 मिनट की प्रस्तुति तैयार कर **vidhyanrityanjali.50@gamil.com** पर e-mail करनी अनिवार्य होगी whatsapp video स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा एक प्रस्तुति का एक video ही मान्य किया जाएगा।प्रस्तुति के आधार पर निर्णायक मण्डल द्वारा अगले राउण्ड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।अपनी प्रस्तुति रिकॉर्ड करते समय आपको मंच सज्जा करना आवश्यक होगा,आपकी रिकॉर्डिंग HD क़्वालिटी में ही होनी चाहिए,आपकी प्रस्तुति one take में ही होनी चाहिए एवं आपकी वेशभूषा आपकी प्रस्तुति(नृत्य) के अनुसार ही होनी चाहिए वेस्टर्न ड्रेस एवं प्रस्तुति में ऑरिजनल फूलों का इस्तेमाल मान्य नहीं किया जाएगा व Edited वीडियो मान्य नहीं किये जायेंगे।प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल द्वारा निम्न विषयों को देखकर प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।परफॉर्मेंस एक्सप्रेशन बॉडी लैंग्वेज ऐनर्जी लेबल कॉस्ट्यूम सेट डिज़ाइन मेकअप प्रतियोगिता पंजीकरण शुल्क मात्र 200/- रुपये रखा गया है। जिसे आप 7615060671 पर googal pay,phonepe,Ptm कर सकते हैं, शुल्क जमा कराने के पश्चात 7615060671 पर स्क्रीन शार्ट भेजना अनिवार्य है।

इस लिंक के माध्यम से आप अपना पंजीकरण कर सकते हैं

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeUwUVpHx7JRQjrRqfNdbl7LZ-WqMfUmuPsTHPY762BjjlzgQ/viewform?usp=sf_link

आयोजक:- श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल समाज सूरत राजीव भूच (अध्यक्ष), संजय गदिया (महामंत्री), पवन गोधा (कोषाध्यक्ष), समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया,जयपुर, कार्यक्रम निर्देशक :अजय जैन मोहनबाड़ी, जयपुर, गीत संगीत निर्देशक:-अवशेष जैन, जबलपुर, संयोजक:-चारु सत भैया, ललितपुर। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें:-8854808400

जो कुछ भी पाप हुआ मुझसे मिच्छामी दुक्कड़म करता हूं

सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने किया सामूहिक आलोचना पाठ। शांतिभवन में समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य में हुआ आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य एवं निर्देशन में गुरूवार को शांतिभवन में प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के तहत सामूहिक आलोचना का पाठ किया गया। इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता करते हुए अब तक विभिन्न भवों में जाने-अनजाने में हुए पापों के लिए गुरूदेव की साक्षी में मिच्छामी दुक्कड़म करते हुए आलोचना की। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि मोक्ष प्राप्ति का सपना पूरा करने के लिए विराधना का जीवन छोड़ना होगा। जो विराधना अब तक हो चुकी उसकी आलोचना करनी होगी। ऐसा करके हम की गई गलतियों से छूटने का प्रयास कर सकते है। आलोचना के माध्यम से अनादिकाल से लेकर अब तक की गलतियों को वोसरामि करते हुए स्वयं को हल्का किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनंत-अनंत बार जीव का जन्म-मरण हुआ। इस दौरान कोई ऐसा जीव नहीं बचा जिसके साथ किसी न किसी रूप में रिश्ता जुड़ा न हो। अज्ञान व अंजान होने के कारण उनको वोसरा भी नहीं पाए। जब तक वोसरामि न हो जाए जुड़ाव बना रहता है। आलोचना उन सब पापों को वोसरामि करने का दिन है। आगम में बताया गया है कि आलोचना से जीव को क्या प्राप्त होता है। मुनिश्री ने कहा कि आलोचना से मन का बोझ हल्का होने के साथ भीतर की गदंगी दूर हो जाती है। स्वयं की आलोचना करने से जीवन के उबड़-खाबड़ रास्ते समतल हो जाते है। आलोचना नहीं होने पर जीवन के सीधे-सादे रास्तों पर भी परेशानियों के झटके लगना शुरू हो जाते है। जो विराधनाएं व पाप करते आए उनकी आलोचना करने के बाद प्रायश्चित करना चाहिए। आलोचना से पहले की गई गलती कबूल करने के बाद फिर प्रायश्चित होता है। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि ज्ञानीजन कहते है गलतियों को गुरू के समक्ष प्रकट कर देने से आलोचना हो जाती है। अनंत जीवों से आलोचना करनी होगी। स्वयं को विशुद्ध भाव से आलोचना

के लिए प्रस्तुत करना चाहिए। परमात्मा से निवेदन करे कि आत्म साक्षी के साथ आलोचना के लिए तत्पर हुआ हूं। जो भी पाप मेरे द्वारा हुए है उन्हें परमात्मा की अदालत में कबूल कर प्रायश्चित करना चाहिए। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी ने प्रेरणादायी गीत ह्यजिनवाणी सुनकर अंतर मन को खोलनाह्ल की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में नासिक आदि स्थानों से आए श्रावकगण मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

चातुर्मास में सेवाएं देने वालों का सम्मान रविवार को

श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने बताया कि गतिमान चातुर्मास का अंतिम प्रवचन 8 नवंबर को होगा। इससे पूर्व 6 नवंबर रविवार को धर्मसभा में चातुर्मास के दौरान श्रेष्ठ सेवाएं देने वाले कार्यकताओं का श्रीसंघ की ओर से सम्मान किया जाएगा। चातुर्मास का समापन 8 नवंबर को वीर लोकाशाह जयंति पर होगा। इस दिन श्रावक-श्राविकाएं जप-तप व भक्ति का नया इतिहास बनाने वाले इस चातुर्मास को लेकर मन के भाव भी व्यक्त करेंगे। चातुर्मास समाप्ति के बाद 9 नवंबर को सुबह 8.15 बजे पूज्य समकितमुनिजी म.सा. शांतिभवन से वर्धमान कॉलोनी स्थित अंबेश भवन के लिए विहार करेंगे। मुनिश्री का 10 नवंबर को चन्द्रशेखर आजादनगर, 11 नवंबर को श्याम विहार एवं 12 व 13 नवंबर को यश सिद्ध स्वाध्याय भवन में प्रवास रहेगा।

हंगर फ्री जयपुर फाउंडेशन ने असहाय एवं गरीब बच्चों को भोजन करवाया एवं कपड़ें बांटे

राष्ट्रीय बेडमिंटन खिलाड़ी अंशुल जैन ने गरीब बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। हंगर फ्री जयपुर फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय बेडमिन्टन खिलाड़ी एवं गोल्डमेडलिस अंशुल जैन पाटनी ने अपने टीम के पदाधिकारियों के साथ कच्ची बस्ती में जाकर जरुरतमंद लोगों को एवं असहाय बच्चों को भोजन करवाया तथा 101 जरुरतमंद लोगों को भोजन करवाकर कपड़े बांटे। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक एवं प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जयपुर में राष्ट्रीय बेडमिन्टन खिलाड़ी अंशुल जैन पाटनी पुत्र विमल कुमार पाटनी ने अपने जन्मदिन पर असहाय एवं जरुरतमंद लोगों को कपड़े बांटकर 101 मिठाई के डिब्बे बांटकर जन्मदिन मनाया। अंशुल जैन ने असहाय बच्चों को भोजन कराकर कपड़ें बांटकर खुशी जाहिर की। फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि हंगर फ्री जयपुर फाउंडेशन की शुरूआत 2021 मे जयपुर रेडिसन ब्लू होटल में लांच किया गया था। हंगर फ्री जयपुर गरीब बच्चों की मदद के लिए काम करता है उनकी जरुरतों को पूरी करने में हंगर फ्री जयपुर फाउंडेशन की टीम मदद करती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को अंतर्मना महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव के लिए दिया विशिष्ट आमंत्रण

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

अंतर्मना महापारणा महाप्रतिष्ठा के भव्याति भव्य महामहोत्सव के लिए परम पूज्य साधना महोदधी उभयमासोपवासी अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज का विशेष आशीर्वाद और महामहोत्सव 27 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक तीर्थराज सम्मेदशिखर जी मे होने वाले पारणा महामहोत्सव में मुख्य अथिति के रूप मे भारत की लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला को अपना सानिध्य प्रदान करने के लिए समिति की और विशिष्ट आमंत्रण प्रदान किया गया। लोक सभा अध्यक्ष ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया, यह हम सभी गुरु भक्तो व जैन समाज के लिए गौरव की बात है ' आप सब के अभिनंदन के साथ ओर आप सभी भी शामिल हो। **संकलनकर्ता:** कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, कोलकोत्ता से विवेक गंगवाल

वेद ज्ञान

जीवन में व्यर्थ की अपेक्षाएं

मनुष्य की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं का अंत नहीं। ठीक भी है, सांसारिक जीवन-यात्रा में अनेकानेक आवश्यकताएं हैं, जिसके बिना कठिनाइयां होती हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इसके लिए अनुचित तरीके अपनाए जाएं। प्रायः धर्म पथ पर कदम रखते ही इस तरह की अनुचित आकांक्षाएं ज्यादा सामने आती हैं कि कोई पूजा या अनुष्ठान शुरू करते, किसी तीर्थ यात्रा या मंदिर में जाते ही भगवान उन सारी आकांक्षाओं को पल भर में पूरा कर देंगे। जबकि किसी भी आवश्यकता, आकांक्षा, लक्ष्य के लिए जो तौर-तरीके या सिद्धांत हैं, उसे पूरा किए बगैर भगवान के सहारे छोड़ देने का आशय अपने को अज्ञानी, आलसी और मूर्ख की श्रेणी में खड़ा करना है। अध्यात्म में तो चमत्कार की अपेक्षा पालना भी अवैज्ञानिकता है। सत्य यह है कि पूजा-पाठ, मंदिर दर्शन से मन को सशक्त बनाने का काम करना चाहिए। तीर्थ यात्रा आदि जाने पर मार्ग की कठिनाइयों को झेलने की आदत बनानी चाहिए। त्रेतायुग में जब माता सीता का हरण हो गया और भगवान राम पेड़-पौधों से सीता का पता पूछ रहे थे, तब भगवान शंकर से पार्वती कहती हैं कि आप इसी रोने वाले राम को ब्रह्म मानकर निरंतर इनका नाम जपते रहते हैं। इस सवाल पर भगवान शंकर कहते हैं-हां पार्वती, ये ब्रह्म हैं, ये जगत को संदेश दे रहे हैं कि मानव-जीवन पाने पर ब्रह्म की भी जब यह हालत होती है तो साधारण मनुष्य की तो होगी ही। भगवान सीता को पाने के लिए भ्रमण, जनसहयोग, युद्ध करते हैं। देखने में आता है कि श्लोक, मंत्र, भजन आदि में ऐश्वर्य, धन, संपत्ति, पद-प्रतिष्ठा, संकट-निवारण की बात लिखी होती है तो लगता है कि इसे पढ़ते ही सब काम हो जाएगा। न होने पर अविश्वास होने लगता है। रामचरित मानस का पाठ करते वक्त रुपये-पैसे, नौकरी-चाकरी के संकट की जगह कमजोर आत्मबल, क्रोध, लालच, क्षुद्रता आदि के संकट से घिरे मन को मुक्त करने का भाव होना चाहिए। इसी प्रकार हनुमान चालीसा में 'छूटहिं बंदि महासुख होई' का आशय लोग जेल गए व्यक्ति के जेल से बाहर होने का लगाते हैं, जबकि यहां भी काम, वासना, लोभ, लालच के जेल में पड़े मन की मुक्ति का ही आशय है।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की एक बार फिर गहरी नाराजगी

दरअसल, झारखंड हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के बाद अंगुलियों के जरिए बलात्कार की पुष्टि की जांच को आधार बना कर हत्या और बलात्कार के आरोपी को बरी कर दिया था। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराध की जांच में अपनाई जाने वाली जिस प्रक्रिया पर कई साल पहले प्रतिबंध लगाया जा चुका है, वह अब तक चलन में रही और उसके आधार पर एक अदालत ने फैसला भी दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही उस फैसले को पलटने के साथ-साथ जांच की इस बेहद अवैज्ञानिक प्रक्रिया के खिलाफ एक बार फिर गहरी नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, झारखंड हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के बाद अंगुलियों के जरिए बलात्कार की पुष्टि की जांच को आधार बना कर हत्या और बलात्कार के आरोपी को बरी कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने उसी मामले में आरोपी को दोषी घोषित किया और बलात्कार की पुष्टि के लिए अपनाई जाने वाली अवैज्ञानिक

जांच प्रक्रिया पर पूरी तरह पाबंदी लगाने के साथ-साथ इसे चिकित्सा पाठ्यक्रम तक से हटाने को कहा। हालांकि इससे पहले खुद सर्वोच्च न्यायालय ने 2013 में ही इस पद्धति को प्रतिबंधित करने का फैसला सुनाया था, मगर विचित्र है कि उसके बाद भी बलात्कार के अपराधों के मामले की पुष्टि के लिए वैसी जांच प्रक्रिया का सहारा लिया जाता रहा, जिसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। बल्कि यह जांच एक तरह से पीड़ित महिला के खिलाफ दोहरा अपराध भी है। निश्चित तौर पर यह व्यवस्था में घुली बहुस्तरीय लापरवाही और सुप्रीम कोर्ट के भी फैसलों की अनदेखी का एक उदाहरण है। सवाल है कि शीर्ष अदालत की ओर से स्पष्ट किए जाने के बावजूद महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की जांच के लिए इस तरीके का इस्तेमाल क्यों किया जाता रहा? क्या इसके लिए कानूनों को लागू करने वाली संबंधित एजंसियों पर भी सवाल नहीं उठते? फिर करीब नौ साल पहले इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट रुख के बावजूद अगर किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने उसी पद्धति को अपने फैसले का आधार बनाया तो इसे कैसे देखा जाएगा? अगर प्रशासन से लेकर न्यायापालिका तक में इस स्तर की लापरवाही होती है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि समाज के भीतर ऐसे मसलों पर जागरूकता और संवेदनशीलता की क्या दशा होगी! क्या यह महिलाओं और उनके साथ बलात्कार जैसे सबसे गंभीर अपराधों को लेकर भी उस सामूहिक दृष्टि और मानस का नतीजा है, जिसमें अधिकार और न्याय के सवाल हाशिए पर चले जाते हैं? इस मसले पर बहुत पहले यह साफ हो चुका है कि बलात्कार की पुष्टि के लिए अंगुलियों से जांच के जरिए यौन संबंधों तक के अभ्यास का भी आधा-अधूरा ही पता लगाया जा सकता है। भारत सहित तमाम देशों में इस तरह की जांच पर पूरी तरह पाबंदी है। इसके अलावा, यह कैसे मान लिया जाता रहा कि अगर किसी महिला ने पहले यौन संबंध बनाए हैं, तो उससे बलात्कार नहीं हुआ हो सकता? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राज बनाम द्रोह...

राजद्रोह कानून के अंतर्गत मुकदमे दर्ज करने पर रोक की अवधि सर्वोच्च न्यायालय ने बढ़ा दी है। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र में इसकी समीक्षा कर कुछ उपाय निकालने का भरोसा दिलाया है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल मई में इस कानून के तहत मुकदमे दर्ज करने पर रोक लगा दी और और सरकार से पूछा था कि ब्रिटिश कालीन इस कानून का क्या औचित्य है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि रोजद्रोह संबंधी गंभीर मामलों के खिलाफ मुकदमे दर्ज होने से नहीं रोका जा सकता और ऐसे अपराधों की जांच के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी होना चाहिए। हालांकि जिस तरह अदालत में सरकार की तरफ से इस मामले में पक्ष रखा गया है, उससे लगता है कि इस कानून पर कोई लचीला रुख अपनाया जा सकता है। राजद्रोह कानून यानी भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए, ब्रिटिश हुकूमत के दौरान विद्रोहियों पर अंकुश लगाने की नीयत से बनाई गई थी। उस वक्त इस कानून के तहत कई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को कारावास की सजा सुनाई गई थी। आजादी के बाद अनेक मौकों पर इस कानून के औचित्य को प्रश्नांकित करते हुए मांग उठी कि इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए। मगर किसी भी सरकार ने इसे हटाने पर विचार नहीं किया। पिछले सात-आठ सालों में इस कानून के तहत अनेक बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल भेजा जा चुका है। इसलिए फिर से इस कानून के विरोध में आवाजें उठनी शुरू गई हैं। इसी संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिस पर अदालत ने कहा कि जब तक सरकार इस कानून की समीक्षा नहीं कर लेती, तब तक इसके तहत किसी पर मुकदमा नहीं दर्ज किया जा सकता। सरकार को इस संबंध में जवाब देना था, मगर उसने और मोहलत मांगी और फिर कानून पर रोक भी बढ़ गई। दरअसल, राजद्रोह शब्द को लेकर बहसें होती रही हैं कि क्या सरकार की आलोचना करना राजद्रोह के अंतर्गत आता है। राष्ट्रद्रोह का अर्थ तो समझ में आता है कि अगर कोई व्यक्ति राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है, तो उसे दंडित किया जाना चाहिए। मगर एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजद्रोह जैसे कानून की क्या जरूरत? लोकतंत्र में हर नागरिक को अभिव्यक्ति की आजादी हासिल है और वह सरकार के किसी भी फैसले पर अपनी राय देने को स्वतंत्र है। मगर पिछले सात-आठ सालों में जिन लोगों पर इस कानून के तहत मुकदमे दर्ज हुए उनका दोष आमतौर पर सरकार की आलोचना करना ही था। हालांकि इस कानून को इतने आसान ढंग से रद्द करना भी संभव नहीं। सरकार के खिलाफ साजिश रचने के मामले भी इस कानून के तहत आ सकते हैं। ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्तमान सरकार और इससे पहले की सरकारें भी इसी पहलू के मद्देनजर इस कानून को रद्द करने से बचती रही हैं। मगर यह कानून अगर किसी सरकार को यह छूट लेने दे पा रहा है कि वह अपने आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सके, तो इसकी समीक्षा की जरूरत स्वाभाविक है। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से इसीलिए समीक्षा की बात कही है, ताकि इस कानून में स्पष्ट हो सके कि सरकार की आलोचना करना और सरकार के खिलाफ साजिश रचना दोनों भिन्न बातें हैं। वर्तमान सरकार औपनिवेशिक जमाने के बहुत सारे कानूनों को रद्द कर चुकी है, इसलिए उससे उम्मीद की जाती है कि इस कानून को भी व्यावहारिक रूप देने का प्रयास करेगी।

आठ दिवसीय मंगलकारी कल्पद्रुम विधान का तीसरा दिन

श्रद्धा हो तो भगवान भी मिल जाते हैं: आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास में समवशरण सिंहासन पर विराजमान होकर श्रावकों को उपदेश देकर बहुत ही उज्जवल साधना कर रहे हैं है। प्रातः कल्पद्रुम विधानमंडल के आयोजन के तहत कुबेर इन्द्र राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद, एवं ओमप्रकाश काला विद्याधर नगर वालों ने तथा मुकेश जैन ब्रह्मपुरी ने भगवान श्री जी को मस्तक पर लेकर पंडाल में विराजमान किया ।भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ । उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया।पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठा चार्य प. सनत् कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान का विधिवत शुभारंभ किया। आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले, सतीश शशि प्रभा अजमेरा, विनय स्नेह लता सोगाणी ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या ने किया चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान का तृतीय दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले परिवार ने। पूज्य आचार्य भगवंत को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया।

गुरुवर आचार्य उपदिष्ट हुये

श्रद्धा हो तो भगवान भी मिल जाते हैं श्रद्धा ना हो तो सामने भी आ जाए तो पहचान नहीं पाते हैं। श्रद्धालुओं को स्वप्न में भगवान मिल जाएंगे। सबसे पहले श्रद्धान और तत्वकी रुचि ही सम्यक्त्व है। सच्चे देव शास्त्र गुरु के प्रति तीन बातें अवश्य होनी चाहिए। सम्यक दृष्टि जीव कभी घोषणा नहीं करते उनकी चर्या और उनका जीवन बोलता है। कि ये समयक्दृष्टि हैं समयक्दृष्टि के लिए किसी प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती। श्रद्धा हो तो अमेरिका से भी सम्मेद शिखरजी पहुंच जाएगा। श्रद्धा नहीं हो तो जयपुर से अर्घ्य चढ़ाने भी कोई नहीं आ पाएगा। दुनिया में ढेरों तरह के धर्म हैं सब यही कहते हैं हमारी शरण में आ जाओ और महावीर कहते हैं मेरी शरण में नहीं खुद की शरण में जाओ। महाराज जी का वैभव तो भीतर से है बाहर से तो सब श्रावको का ही वैभव है ।आपकी उंगलियां मोबाइल पर चलती रहती हैं और आपका घर आ जाता है उसी तरह से हमारा शास्त्र अध्ययन हो जाता है। सच्चे देव शास्त्र गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा संसार रहित होनी चाहिए वही सम्यकदर्शन है आठ अंग जीवन में आएंगे तो मंगल ही मंगल होगा । 1000 वर्ष पहले वसुनंदी आचार्य हुए जिन्होंने श्रावकाचार ग्रंथ की रचना की। जैन धर्म के प्रति शंका रहित होकर अंजन चोर ने हथियारों के ऊपर आकाश गामिनी विद्या सिद्ध की, और सुमेरु पर्वत वंदना के लिए चले गए। दिनांक 4 को कल्पद्रुम विधान महामंडल के अंतर्गत प्रातः 6:30 जलाभिषेक पंचामृत अभिषेक और शांति धारा होगी आज विधानमंडल में 12 पूजा संपन्न हो चुकी हैं कल तीन पूजाएं होंगी।

जयपुर व्यापार महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल कलराज मिश्र से भेट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल महामंत्री सुरेन्द्र बज कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता कोषाध्यक्ष सोभाग मल अग्रवाल ने आज राजभवन में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से मिल कर उन्हें जयपुर के व्यापार जगत की तरफ से दीपावली की शुभकामनाएं दीं । वह व्यापार जगत की गतिविधियों के संबंध में राज्यपाल को जानकारी दी राज्यपाल ने दीपावली पर जयपुर मे व्यापार मंडलों द्वारा की गयी सजावट पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी तरफ से सभी व्यापारियों को बधाई दी।

हुतात्मा छाबड़ा की सातवीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन

नशा मुक्ति हेतू बेटी बिना जीवन सूना नाटक का हुआ मंचन

जयपुर. कासं। जस्टिस फॉर छाबड़ा, संपूर्ण शराबबंदी आंदोलन, दृश्य भारती सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था की ओर से शहर की नंदपुरी स्थित दृश्य भारती संस्था के रंगमंच पर गुरुवार को पूर्व विधायक स्व.गुरुशरण छाबड़ा जी की सातवीं पुण्यतिथि मनाई गई । इसमें मुख्य अतिथि संपूर्ण शराबबंदी के लिए संघर्ष कर रही शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने छाबड़ा जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर दृश्य भारती की ओर से बेटी बिना जीवन सूना नामक नाटक कलाकारों ने मंचन किया। इस नाटक में शराब के कारण बेटी की हत्या और आज के दौर में बेटियों पर हो रहे अत्याचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

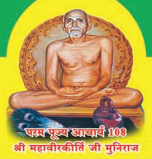

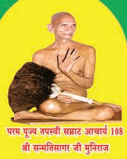

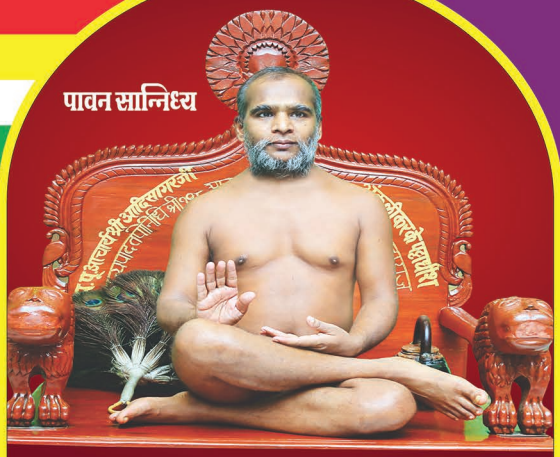

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः।।
परम पूज्य आचार्य 108 श्री आदिसागर जी मुनिराज (अंकलीकर)
परम पूज्य आचार्य 108 श्री महावीरकीर्ति जी मुनिराज
परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमलसागर जी मुनिराज
परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी मुनिराज
जयपुर वर्षायोग 2022
मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान पार्श्वनाथ भवन
अष्टाह्निका महापर्व
वर्तमान में कल्पद्रुम विधान में विराजित आचार्य परमेष्ठी के सानिध्य में कल्पद्रुम विधान में बैंठकर अनन्त पुण्य लाभ लें।
भट्टारक जी की नशियां, नारायणसिंह सर्किल, जयपुर में
श्री कल्पद्रुम महामण्डल विधान
मंगलवार, 1 नवम्बर से मंगलवार, 8 नवम्बर 2022
पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव
रविवार, 6 नवम्बर 2022
पावन सान्निध्य
प.पू. मुनिकुंजर आचार्य 108 श्री आदिसागरजी (अंकलीकर) मुनिराज की परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश
लघुनंदन, युवाऋषि, प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती, संयम भूषण, राष्ट्र संत,
आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज
(57 पिच्छी ससंघ)
सौधर्म इन्द्र
श्री शान्तिकुमार जी श्रीमती ममता जी सौगानी जापान वाले
चक्रवर्ती
श्री सतीश जी श्रीमती शशिप्रभा जी अजमेरा समीर, शशांक अजमेरा, मीरा मार्ग, मानसरोवर
विधानाचार्य
डॉ. सनत कुमार जी जैन जयपुर
संगीतकार
शानू एण्ड पार्टी, महुवा
कुबेर इन्द्र
श्री राजीव जी श्रीमती सीमा जी जैन (गाजियाबाद वाले) बापू नगर
महायज्ञनायक
श्रीमती बुलबुल कंवर गंगवाल परिवार नेमीसागर कॉलोनी
यज्ञनायक
श्री ओमप्रकाश जी 'मामाजी' श्रीमती निर्मला जी काला मुरलीपुरा, जयपुर
महामण्डलेश्वर
श्री विनोद जी श्रीमती शशि जी तिजारिया
ध्वजारोहण
श्री वीरचंद जी, गजेन्द्र कुमार जी बड़जात्या (कांमा वाले) वैशाली नगर
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
श्री कमल कुमार जी चाँदवाड़ परिवार
ईशान इन्द्र
श्री विनय जी श्रीमती स्नेहलता जी सौगाणी
सानत इन्द्र
श्री राजेश जी श्रीमती अनिता जी रांवका
माहेन्द्र इन्द्र
श्री कपूरचन्द जी श्रीमती लता जी लड़जात्या श्री अनुज जी श्रीमती शिखा जी बड़जात्या
ब्रहेन्द्र इन्द्र
श्री कपूरचन्द जी श्रीमती संतोष देवी जी, श्री नेम कुमार जी श्रीमती अनिता जी कसेरा परिवार
ब्रहोत्तर इन्द्र
श्री प्रदीप जी श्रीमती चंदा जी पाटनी (चौमूं वाले)
लान्तव इन्द्र
श्री कल्याणमल जी श्रीमती हंसा जी तलवाड़िया (मुम्बई वाले)
वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (4 नवम्बर 2022)
श्रीमती बुलबल देवी ध.प. स्व. श्री नेमीचन्द जी गंगवाल माणकचन्द जी, पदमचन्द जी, नरेन्द्र कुमार जी, राजेश जी, राकेश जी, अभिषेक, अभिनव गंगवाल परिवार(कड़ेल वाले)
वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (5 नवम्बर 2022)
श्री विवेक जी श्रीमती रूपा जी सेठी (बैंकांक वाले)
वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक (7 नवम्बर 2022)
श्री विवेक जी श्रीमती रूपा जी सेठी (बैंकांक वाले)
विधान में बैठने वाले के लिए धोती-दुपट्टे, एवं महिलाओं को साड़ी समिति की तरफ से दी जायेगी।
पूजार्थियों के लिए वात्सल्य भोजन की व्यवस्था नशियां जी में रहेगी।
जयपुर की प्रमुख कॉलोनियों से इन्द्रों को लाने-ले जाने की निःशुल्क व्यवस्था कमेटी द्वारा रहेगी।
विधान में बैठने की सहयोग राशि एकल व्यक्ति 1100/- मात्र जोड़ा 2100/- मात्र
आचार्यश्री का आगामी कार्यक्रम
आचार्य आदिसागर महाराज का 109वाँ दीक्षा दिवस
गुरुवार, 25 नवम्बर 2022
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
आचार्यरत्न देशभूषण आश्रम अचरोल, दिल्ली रोड़, जयपुर
27 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2022
विधान संयोजक
अनुज बड़जात्या मो. 9414054395
गजेन्द्र जैन मो. 9828155512
मुकेश सेठी. मो.9309413678
सुधीर पाटनी मो. 9829941376
सुरेन्द्र शाह मो. 9829352928
अजय पाटोदी मो. 9829053143
मनोज झांझरी मो. 9829063426
रमेश बोहरा मो. 9828026629
सुरेन्द्र मोदी मो. 8696978925
पदम बिलाला मो. 9314024888
देवेन्द्र बाकलीवाल मो. 9887027407
मुकेश जैन ब्रह्मपुरी मो. 9314115222
रमेश जैन मिठडी मो. 8739999001
सुशील पहाड़िया मो . 9928557000
सी एल जैन मो. 9414078656
अंकित संघी मो. 8947966833
विधान सम्पर्क सूत्र
राजेश चौधरी चित्रकूट मो. 9460762728
डॉ. शीला जैन, सिटी जौहरी बाजार मो.9414779407
सौभागमल जैन मानसरोवर मो.9414643144
विनोद जैन शास्त्री मो. 9828076193
इन्द्रा बड़जात्या पत्रकार कॉलोनी मो.9829600731
धर्मीचन्द कासलीवाल सेठी कॉलोनी मो.9829060394
देवेन्द्र बोहरा मो.9571584524
अनिल पाटनी श्योपुर मो.9783903634
धीरज पाटनी झोटवाड़ा मो.9929110116
राजेन्द्र पापड़ीवाल महावीर नगर मो.9214419945
वैभव काला चित्रकूट मो.7300415175
प्रवीण विकास बड़जात्या वैशाली नगर मो.9785481867
कान्तिचन्द जैन जवाहर नगर मो.9829488666
अंजना जैन चित्रकूट मो.9413742981
अभिषेक जैन मो.9352219855
आयोजक : आचार्य श्री सुनीलसागर वर्षायोग समिति - 2022
(अन्तर्गत-श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)
अध्यक्ष देवप्रकाश खण्डाका 9829063163
मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा 9314515597 राजेश गंगवाल 9314503273
मुख्य समन्वयक राजीव जैन (गाजियाबाद वाले) 9414054571
कोषाध्यक्ष मुकेश जैन 9314115222
प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल 9414409133
मंत्री ओम प्रकाश काला (मामाजी) 8829021691
उपाध्यक्ष-सम्पतलाल पाण्ड्या, बाबूलाल जैन (सिवाड़ वाले) संयुक्त मंत्री-बाल किशन बाण वाला, सह-कोषाध्यक्ष-राजेन्द्र पापड़ीवाल
कार्यकारिणी सदस्य - रमेश चन्द जैन (मीठड़ी वाले), विरेन्द्र जैन (निवाई), कमल कुमार चाँदवाड़, राजीव कुमार पाण्ड्या, मुकेश कुमार सेठी, सुधीर कुमार पाटनी, गिरधारी लाल कागदी, विवेक वैद, सतीश अजमेरा, संदीप कुमार शाह, अशोक कुमार सोनी, अजय पाटोदी, राजेश गंगवाल, अनुज जैन, गजेन्द्र जैन, त्रिलोक चन्द गोधा, बीना शाह, इन्द्रा बड़जात्या
एवं समस्त कार्यकारिणी मुनिसंघ प्रबन्ध समिति पार्श्वनाथ भवन एवं वर्षायोग प्रबन्ध समिति
निवेदक - सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

मालवीय नगर के शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आज होगा भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान

गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का जयकारों के बीच पदमपुरा से हुआ मंगलविहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में चातुर्मास सम्पन्न होने पर गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का गुरुवार,03नवम्बर को प्रातः पदमपुरा से गोनेर होते हुए जयपुर की भट्टारक जी की नसियां के लिए मंगल विहार हुआ। माताजी ससंघ जगतपुरा के गोविन्दम रीजेंसी पहुंची। शुक्रवार को प्रातः जगतपुरा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि माताजी ससंघ का गुरुवार,3नवम्बर को पदमपुरा से प्रातः 7.00बजे गोनेर के लिए मंगल विहार हुआ। गोनेर के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 8.00 बजे भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश हुआ। तत्पश्चात मंदिर परिसर में आयोजित धर्म सभा में माताजी के मंगल आशीर्वचन हुए। कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का गोनेर से दोपहर बाद विहार होकर सायंकाल जगतपुरा के डी मार्ट के पास गोविन्दम रेजीडेंसी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। सायंकाल गुरु भक्ति, आरती, आनन्द यात्रा के आयोजन किए गए। कमेटी के वित्त मंत्री अजय बड़जात्या एवं माणक ठोलिया के मुताबिक शुक्रवार,04 नवम्बर को प्रातः 7.00 बजे जगतपुरा रेलवे फाटक के पास श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा जहां माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा की जाएगी। तत्पश्चात प्रातः 7.30बजे भव्य जुलूस के साथ समाजश्रेष्ठी कमल वैद के माडल टाउन की इन्कम टैक्स कालोनी स्थित निवास पर भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां धर्म सभा में माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। संयुक्त मंत्री दीपक बिलाला के मुताबिक संघपति -कैलाश चन्द माणक रमेश ठोलिया के माडल टाउन कालोनी स्थित निवास पर होते हुए सायंकाल मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां गुरु भक्ति, आनन्द यात्रा के बाद रात्रि 7.00बजे से श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में मुख्य संयोजक मनीष चौधरी के निर्देशन में ऋद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन के मुताबिक शनिवार,5 नवम्बर को प्रातः मालवीय नगर से मंगल विहार होकर टौंक रोड पर रिजर्व बैंक से प्रातः 8.00 बजे विशाल जुलूस के साथ माताजी ससंघ का प्रातः 8.30 बजे भट्टारकजी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां आचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ से भव्य मिलन होगा। माताजी भट्टारक जी की नसियां से जवाहर नगर, चूलगिरी, दौसा, सिकन्दरा, श्री महावीरजी, करौली होते हुए मुरैना के ज्ञान तीर्थ की ओर मंगल विहार होगा।

सुरेन्द्र जैन पांडया को मिला चातुर्मासि का मंगल कलश

पदमपुरा में आयोजित चातुर्मास निठापन तथा पिच्छिका परिवर्तन समारोह में भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के चातुर्मास के मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी महावीर नगर निवासी सुरेन्द्र-मृदुला जैन पांडया परिवार को प्राप्त हुआ।

भुई आंवला (भूमि आमला) के कुछ घरेलू उपयोग; (लिवर रोग की दवा)

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

भुई आंवले (भूमि आमला)का पेड़ नहीं बल्कि पौधा होता है जिस प्रकार बारिश के मौसम में खरपतवार होते हैं ठीक उसी प्रकार सभी स्थानों पर भुई आंवले का पौधा दिखाई देता है। आंवले की पत्तियों के नीचे छोटे-छोटे आंवले फल के रूप में लगते हैं।

1. लीवर बढ़ना

भुई आंवला जिगर के रोग को ठीक करने की सबसे ज्यादा विश्वसनीय दवाई है यदि आपका लीवर बढ़ गया है या सूज गया है तो भुई आंवले का काढ़ा बनाकर सेवन करें।

2. पीलिया रोग

यदि आपका Bilurubin अधिक हो गया है या आपको पीलिया हो गया है तो इस पेड़ को जड़ समेत ही उखाड लें, इसका काढ़ा बना लें, इस काढ़े को रोजाना प्रातः तथा शाम को पियें या सूखे हुए पंचांग का 2-3 ग्राम काढ़ा बना लें और प्रातः तथा शाम को पियें. इसे पीने से आपका Bilurubin सही हो जाएगा साथ ही आपका पीलिया रोग भी ठीक हो जाएगा.।

3. जिगर में सूजन

यदि आपके जिगर में सूजन आ गई है तो थोड़ा भुई आंवला का रस, श्योनाक का रस तथा पुनर्नवा के ताजे रस का सेवन करें या पंचांग का काढ़ा पिएं इससे आपके जिगर की सूजन खत्म हो जाएगी.

4. खांसी

जिसे खांसी है उसे भुई आंवला तथा तुलसी के पत्तों का काढ़ा बनाकर पीना चाहिए इससे खांसी ठीक हो जाती है।

5. शरीर में पाए जाने वाले अवयव

शरीर में ऐसे अनेक जहरीले अवयव पाए जाते है जो शरीर के लिए बहुत ही हानिकारक होते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर में पाए जाने वाले विविध अवयव नष्ट हो जाएं तो आप भुई आंवला का सेवन करें।

6. मुंह के छाले

कई बार मुंह में छाले हो जाते हैं जिसके कारण खाना खाने में बहुत ही कठिनाई होती है। क्या आपके मुंह में भी छाले हो गये हैं, जिसके कारण आप कुछ भी नहीं खा पाते तो मुंह के छालों को ठीक करने के लिए भुई आंवला के पत्तों को चबाएं। इसे चबाने से आपके मुंह के छाले ठीक हो जाएँगे और आपको किसी भी चीज को खाने में कठिनाई महसूस नहीं होगी।

7. मसूढ़े पकना

मसूढ़ों के पक जाने पर भुई आंवला का सेवन बहुत ही लाभदायक होता है।

8. सीने में सूजन तथा गांठ

जिसके सीने में सूजन आ गई है या गांठ बन गई है उसे भुई आंवला के पत्तों को पीसकर इसका लेप लगाना चाहिए. इसके लेप से सीने की सूजन दूर हो जाती है।

9. ज्वर

अगर आपको बहुत दिनों से ज्वर है या भूख नहीं लगती तो थोड़ा भुई आंवला लें, मुलेठी लें, गिलोय लें, इन सभी को मिलाकर काढ़ा बना लें, रोजाना इस काढ़े का सेवन करें इससे आपका ज्वर ठीक हो जाएगा साथ ही आपको भूख भी लगने लगेगी।

10. लीवर का कार्य न करना

कई लोगों की जलशोथ में लीवर अपना काम करना बंद कर देते हैं। ऐसी स्थिति में वे लोग जिनकी जलशोथ में लीवर ने काम करना बंद कर दिया है, 4-5 ग्राम भुई आंवला लें, 1/2 ग्राम कुटकी लें, 1-2 ग्राम सुखी हुई अदरक लें, इन सभी चीजों को मिलाकर काढ़ा बना लें, काढ़े को हर रोज सुबह-शाम पियें। इस काढ़े को पीने से आपके जलशोथ में लीवर अपना काम करना आरंभ कर देंगे।

11. किडनी में सूजन

किडनी की सूजन तथा रोग संचार को दूर करने के लिए भुई आंवला का काढ़ा बनाकर पियें। इसे पीने से किडनी की सूजन तो दूर हो ही जाती है साथ ही इसका रोग संचार भी दूर हो जाता है।

12. प्रमेह तथा प्रदर रोग

प्रदर रोग तथा प्रमेह जैसी घातक बीमारी से बचने के लिए भुई आंवला का सेवन किया जाता है।

रोटरी क्लब कोटा द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

कोटा. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब कोटा द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री सकल दिगंबर जैन समाज कोटा के सदस्य, गुरु मां विशुद्धमती राष्ट्रीय कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष, अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा के सलाहकार एवं संरक्षण मंडल के सदस्य,श्री अग्रवाल एलिट ग्रुप सोसाइटी के सदस्य, वैश्य समाज कोटा के सलाहकार मंडल के सदस्य, एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन (रजि.) कोटा के महासचिव ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ थे। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती माधुरी जैन सर्राफ एवं समाजसेवी ओम जैन सर्राफ का स्वागत रोटरी क्लब, दिवाली स्नेह मिलन समारोह आयोजन समिति के मुख्य संयोजक एवं कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन ने स्वागत किया। कार्यक्रम मे हाउजी तंबोला में दिए गए सात पुरस्कार लगभग 75 हजार रुपए के सर्टिफाइड रियल डायमंड ज्वेलरी के पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन भाषण में ओम जैन सर्राफ ने कहा कि किसी भी सोशियल क्लब में सदस्यों की क्वांटिटी बढ़ाने की जगह सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों की क्वालिटी बढ़ाना चाहिए। अगर क्लब में क्वालिटी होगी तो लोग अपने आप जुड़ने लग जाएंगे, और किसी से आपको क्लब का सदस्य बनने की आग्रह करने की जरूरत नहीं होगी। रोटरी क्लब के सभी सदस्यो एवं मेहमानों ने लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया, एवं अंत में शानदार एवं जोरदार आतिशबाजी भी की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com